BSES

मॉनसून में बरतें सावधानी

- **इस बीच, एमसीडी को पत्र लिखकर कहा– स्ट्रीट लाइट खंभों से खराबियां दूर करे, ताकि करंट लगने की घटनाएं न हों**

नई दिल्लीः 28 जून, 2011। मॉनसून के दिल्ली में दस्तक देने से पहले ही बीएसईएस अपने सभी ग्रिड स्टेशनों, सब स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मर्स, फीडर्स आदि के रखरखाव और मरम्मत का काम पूरा कर चुकी है। गैस और वैक्यूम सर्किट ब्रेकरों का उपयोग किया जा रहा है, जो मॉइश्चर यानी नमी से होने वाली परेशानियों से निजात दिलाएंगे।

मुख्य ग्रिड स्टेशन स्तर पर तैयारीः ग्रिड स्टेशनों के 11 केवी फीडर पैनलों में वैक्यूम सर्किट ब्रेकर लगाए गए हैं, जो ये सुनिश्चत करेंगे कि उपकरण मॉइश्चर की चपेट में न आएं।

सब स्टेशन स्तर पर तैयारीः सब स्टेशनों में ऑयल आधारित सर्किट ब्रेकरों की जगह गैस आधारित सर्किट ब्रेकरों का उपयोग किया जा रहा है, ताकि बारिश के दिनों में मॉइश्चर यानी नमी की वजह से बिजली गुल न हो। सब स्टेशनों में अनाधिकृत लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए गेट पर ताले जड़ दिए गए हैं।

ट्रांसफॉर्मर स्तर पर तैयारीः प्लिंथ और पोल पर लगे ट्रांसफॉर्मरों के चारों ओर जाली लगा दी गई है। जिन जगहों पर असामाजकि तत्वों ने जालियां तोड़ दी थीं, उनकी मरम्मत भी कर दी गई है। जिन इलाकों में पानी भरने की आशंका है, वहां के ट्रांसफॉर्मरों को ऊंचा करके, जमीन से ऊपर उठा दिया गया है। हालांकि तार की मजबूत जालियां ट्रांसफॉर्मरों के आसपास लगा दी हैं, लेकिन कई बार असामाजिक तत्व उन्हें तोड़कर ले जाते हैं। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि यदि उन्हें कोई ट्रांसफॉर्मर बिना जाली के दिखे, तो वे तुरंत 39999707 / 39999808 पर फोन कर बीएसईएस को बताएं।

इस बीच, बीएसईएस की ओर से एमसीडी के पूर्वी और मध्य जोनों के मुख्य इंजीनियरों को पत्र लिखकर अनुरोध किया गया है कि वे अपने स्ट्रीट लाइट्स के खंभों और पार्कों में लगे मोटर पंपों की सुरक्षा जांच कर यह सुनिश्चित करें कि उनमें कोई लीकेज न हो और प्रोपर अर्थ वायरिंग हो। पिछले साल पार्कों में करंट लगने की घटनाओं के मद्देनजर बीएसईएस ने एमसीडी के मुख्य इंजीनियरों को ये पत्र लिखे हैं, ताकि इस बार ऐसी कोई घटना न हो।

उपभोक्ताओं के लिए जरूरी सलाहः

बीवाईपीएल सीईओ श्री रमेश नारायणन ने उपभोक्ताओं को सलाह दी है कि हर व्यक्ति को अपने यहां एक टेस्टर रखना चाहिए। जैसे ही लगे कि घर की दीवार या स्विच गीली है, तो छूने से पहले उसे टेस्टर से जरूर चेक कर लें। मॉनसून के दौरान गीली दीवारों या स्विचों में करंट आने का खतरा रहता है। अपने घर की आंतरिक वायरिंग भी चेक करवा लें। हालांकि हमने मॉनसून के दौरान उपभोक्ताओं की सुरक्षा को देखते हुए पर्याप्त इंतजाम किए हैं, लेकिन यदि बिजली के किसी उपकरण के आसपास पानी जमा हो, तो उस पानी में न जाएं... जिंदगी ज्यादा कीमती है।

बीआरपीएल सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के मुताबिक– मॉनसून में जगह जगह पानी जमा हो जाने से बिजली से जुड़ी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। हम उपभोक्ताओं से अनुरोध करते हैं कि वे बिजली के खंभों, सब स्टेशनों, ट्रांसफॉर्मरों और स्ट्रीटलाइटों से दूर रहें। साथ ही, अपने बच्चों को भी बताएं कि इन उपकरणों के इर्द–गिर्द न खेलें, चाहे उपकरणों के चारों ओर जालियां ही क्यों न लगी हों। ये छोटे– छोटे कदम दुर्घटना–रहित मॉनसून सुनिश्ति करने में मदद करेंगे।

दरअसल, पानी जमा होने और तेज हवाएं चलने की वजह से कई बार मॉनसून के सीजन में पेड़ व उनकी शाखाएं टूटकर बिजली के तार आदि पर गिर जाते हैं, जिस वजह से बिजली गुल हो जाती है। उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि उनके इलाके में बिजली गुल होने की सूचना हमारे चौबीसों घंटे और सातों दिन काम करने वाले हेल्पलाइन नंबर 39999707 बीआरपीएल और 39999808 बीवाईपीएल पर दें। हमारी टीम जल्द से जल्द बिजली बहाल करने की कोशिश में जुट जाएगी। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए बीवाईपीएल और बीआरपीएल मैनेजमेंट ने अपने ओएंडएम कर्मियों को साफ निर्देश दिए हैं कि जैसे ही उन्हें बिजली गुल होने की जानकारी मिले, वे युद्ध स्तर पर आपूर्ति बहाल करने में जुट जाएं। यदि कहीं किसी पोल आदि के पास पानी जमा दिखे, तो भी बीएसईएस को बताएं।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनियां बीआपीएल व बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करेंः *प्रशान्त दुआ* चंद्र पी कामत

कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999415 / 9350130304